<u>वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25</u>

संस्था संवेदना मानसिक दिव्यांग सेवा संस्था रायपुर विगत 2009 से दिव्यांगता पर कार्य कर रही है। संस्था घरौंदा आश्रय गृह का संचालन विगत 2020 से निरंतर कर रही है जिसमें महिला केन्द्र में 29 हितग्राही व पुरुष केन्द्र में 29 हितग्राही निवासरत है जिनको दैनिक कार्य एवं क्रियाकलाप की शिक्षा कराये जाते हैं -

<u>2 अप्रैल वर्ल्ड ऑटिज्म डे</u> - पर घरौंदा में निवासरत हितग्राहियों (ऑटिज्म) के मनोरंजन हेतु खेलकूद एव संगीत नृत्य आदि करवाया गया।

<u>7अप्रैल वर्ल्ड हेल्थ डे</u>-पर घरौंदा एवं संवेदना में निवासरत हितग्राहियों का चिकित्सीय परीक्षण करवाया गया।

बच्चों को सेल्फ ट्रेनिंग के साथ-साथ वोकेशनल ट्रेनिंग दी गई।

12 मई मदर्स डे - पर घरौंदा में निवासरत हितग्राहियों को भी का महत्व बताते हुए पारिवारिक माहौल प्रदान करने हेतु मदर्स डे मनाया गया।

21 जून विश्व योग दिवस - पर योग का महत्व बताते हुए अपने दैनिक जीवन में योगाभ्यास का नियम बनाने हेतु प्रेरणा दी गई।

जुलाई माह में क्लासेस के साथ-साथ वोकेशनल ट्रेनिंग भी दी गई, जिसमें राखी मेकिंग, वॉल हैंगिग, फ्लॉवर पॉट, झाड़ु, दोना पत्तल आदि बच्चों ने बनाऐ।

15 अगस्त - की तैयारी की धूम रही, जिसमें घरौंदा में निवासरत हितग्राहियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

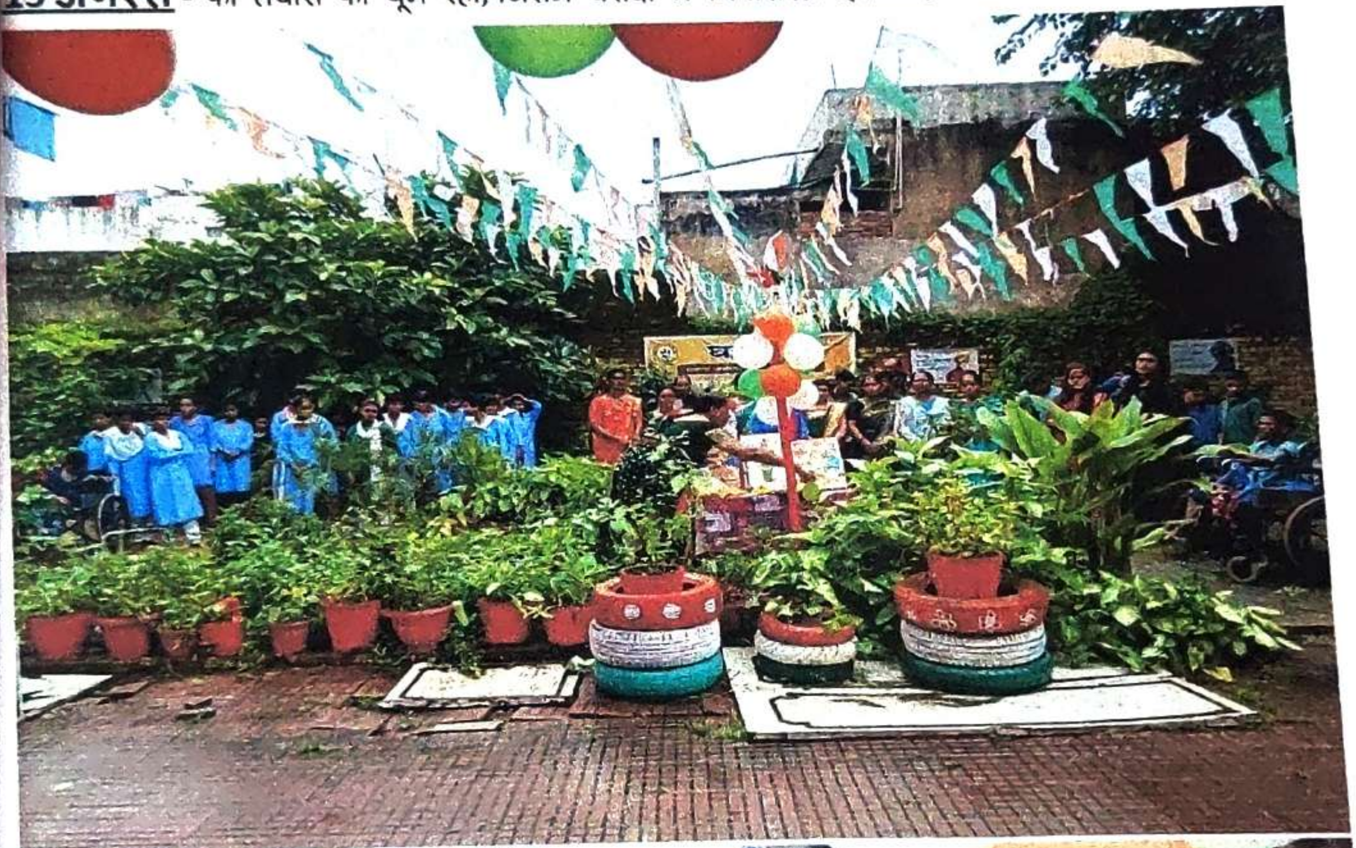

<u>16 अगस्त</u> - को नेशनल ट्रस्ट के द्वारा दिव्या कला मेला का आयोजन किया गया जिसमे संवेदना एवं घरौंदा के महिला एवं पुरुष विद्यार्थियो ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया|

29 अगस्त वर्ल्ड स्पॉट्स डे - के अवसर पर खेल-कूद का कार्यक्रम करवाये गये जिसमें झलकियाँ एंव प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया गया।

सितम्बर माह में नवरात्रि की तैयारी में हितग्राहियों ने अपना विशेष सहयोग किया, जिसमें दुर्गा पूजन, उपवास, गरबा नृत्य शामिल थे।

नवरात्री में घरौंदा का माहौल बहुत ही सुंदर शांत एंव धार्मिक रहता है। बच्चें फूलों की माला बना कर माता पर अर्पित करते हैं। इस प्रकार त्योहारों का इन्हें सामान्य जीवन जीने की दिशा में हमारी एक पहल -

दशहरा में कैंपस में ही रावण दहन एंव स्टॉल में चाट, कचौरी का लुत्फ बच्चें उठाते हैं।

दिवाली में पूर्ण जोश से बच्चें समर्पित भाव से लक्ष्मी माता की पूजा अर्चना में भाग लेकर पटाखे और मिठाइयों के साथ अपना त्योहार मनाते हैं। तुलसी विवाह आदि सभी त्योहार एक सामान्य जीवन की प्रेरणा देता है, जिसमें बच्चे उत्साहित होते हैं।

3 दिसम्बर विश्व दिव्यांगजन दिवस चूंकि दिव्यांगता एक कमी है मगर बच्चों को महसूस न हो इसलिए इस दिन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिसमें चिकित्सीय शिविर, खेलकूद, एंव सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होता है। इस वर्ष साइंस कॉलेज में 3 दिसंबर विश्व दिव्यांग दिवस के दिन घरौंदा एवं संवेदना के विद्यार्थियों ने सफल प्रदर्शन दिया|

<u>26 जनवरी</u> गणतंत्र दिवस व वार्षिक उत्सव की तैयारी घरौंदा के माहौल में चार चांद लगाती है। इस दिन ध्वजारोहण के बाद सांस्कृतिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया|जिसमे बच्चो ने अपनी कला का प्रदर्शन किया|

<u>30 जनवरी</u> - गाँधी जी की पुन्य तिथि पे नशा मुक्ति दिवस के दिन चित्र कला का आयोजन किया गया।

<u>14 फरवरी</u> को सरस्वती माता की पूजा एवं मातृ-पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया जाता है जिसमें माँ बाप की अहमियत जीवन में प्रत्येक पल होती है ये समझाया जाता है।

<u>21 मार्च वर्ल्ड डाउन सिन्ड्रोम डे</u>- पर जागरूकता के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रोग्राम नृत्य एंव म्यूजिक करवाया जाता है।

वर्ष भर हितग्राहियों को दैनिक क्रियाकलाप के साथ-साथ त्योहारों, व्यावसायिक प्रशिक्षण एंव कई प्रकार के संगीत, नृत्य, भक्ति आदि से जोड़कर रखा जाता है। मार्च में बच्चों के समान्य टेस्ट लिये जाते हैं, ताकि उनकी रूचि हर दिशा में बनी रहे।

इस प्रकार वर्ष भर घरौंदा के हितग्राहियों को अपने कार्यों में लिप्त एंव सामान्य जीवन की दिशा में हमारी एक पहल है।

संवेदना के विद्यार्थियों का मार्च महीने में परीक्षा ली जाती है ताकि आगे की कक्षा में प्रवेश दे सके|